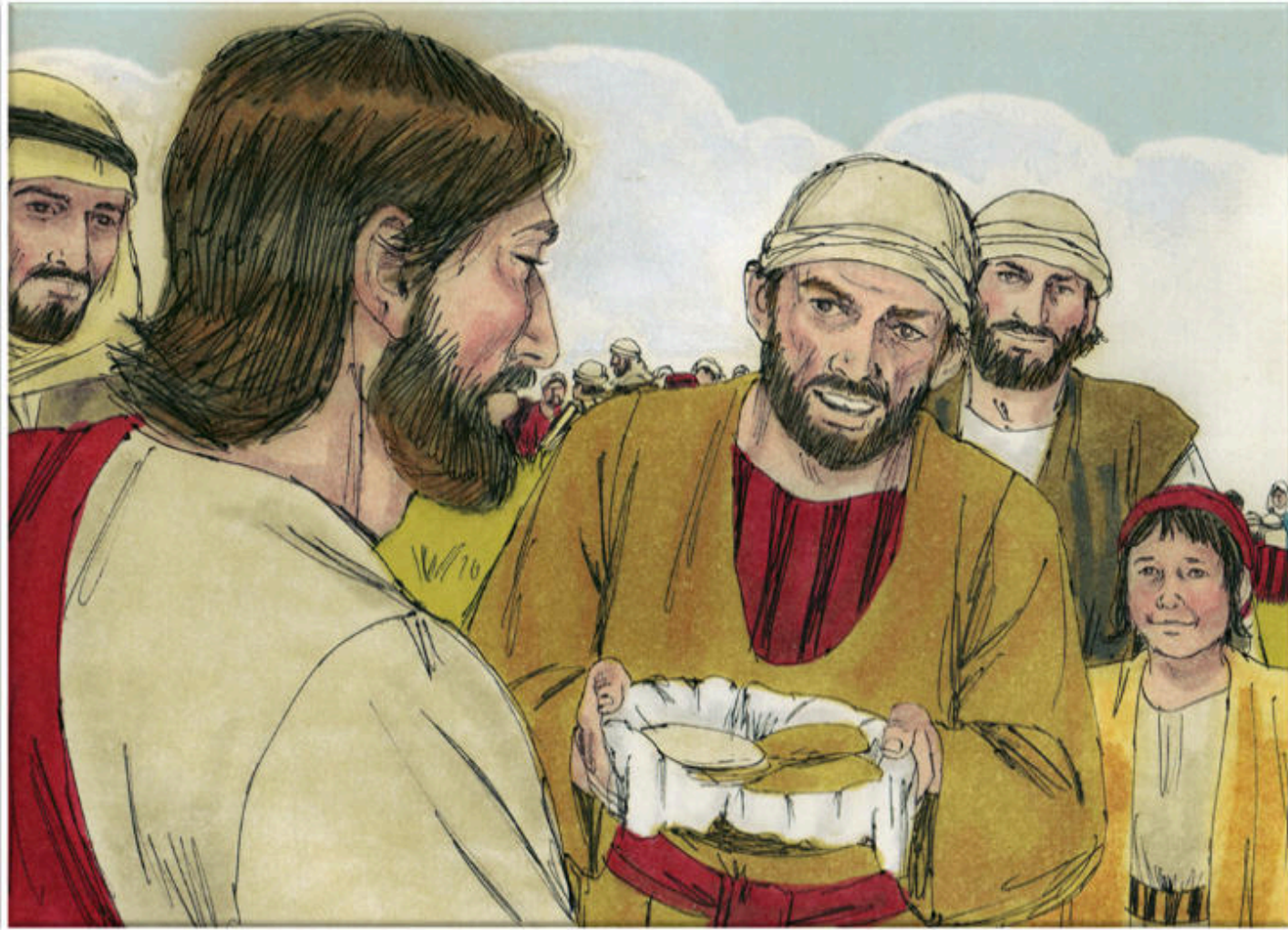


पाँच औज़ार लोगु कौइ खाणौ खौआऔ।



bangani



पाँच औज़ार लोगु कौइ खाणौ खौआओ।

bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language  
Red level book

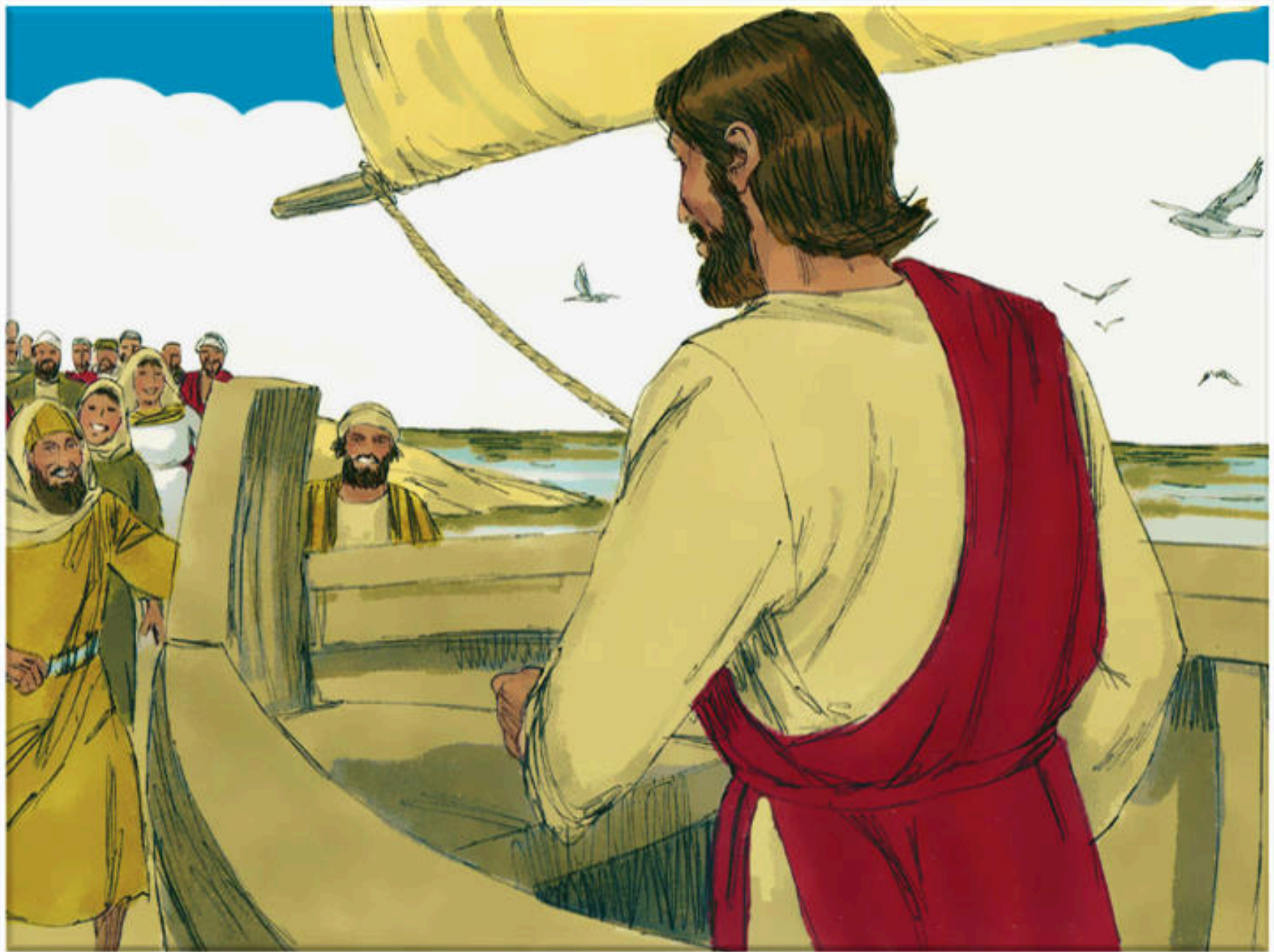
परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

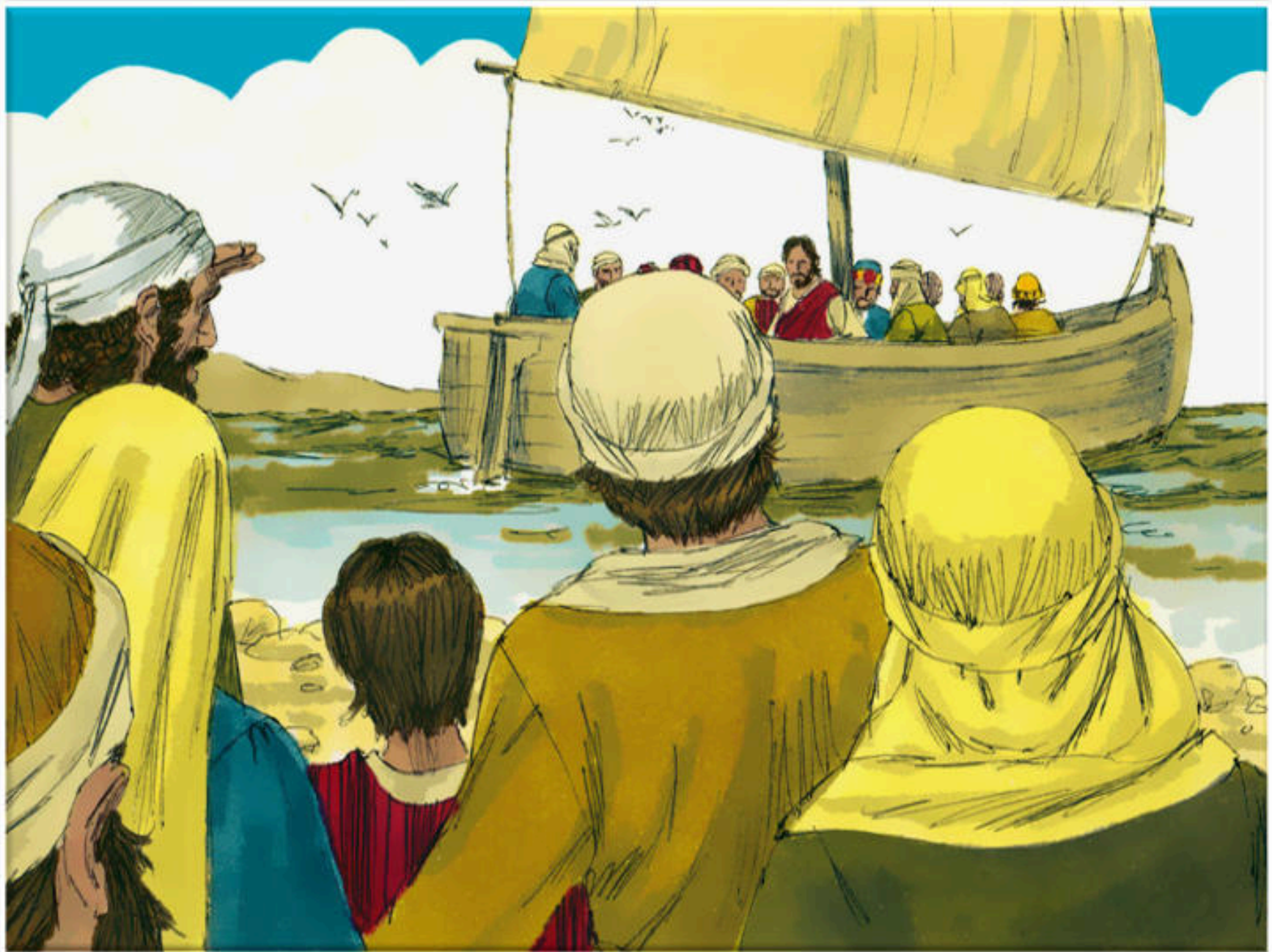
## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यीशु मसीह ने पाँच रोटी और दो मछली से किस प्रकार पाँच हजार लोगो को खाना खिलाया, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



एक बैरै यीशु औज़ि तेसरै चेलै  
शुनशान ज़ागा दि डै। केलाकि लोगु  
रि बौड़ी बीड़ तेसकाइ आयै थी।  
बौरि लोगु यीशु डेन्दु बैरै देखौ।







सै बीड़ तेत्कै यीशु कौइ औगौणिकै  
पौइंछि । यीशुइ सै बीड़ देखियौ  
तिउंदि दया कौरि । औज़ि तिउंके  
खाणेखि बि बौक्त ना मिलौ ।



तेत्रा यीशुइ बौरि लोग ठीक कियै ।  
तैबै यीशु तिउंके बौरि बुशै शिकान्दै  
लागौ । जौ दूस औड़ौ, औज़ि रात  
पौड़दि लागी ।

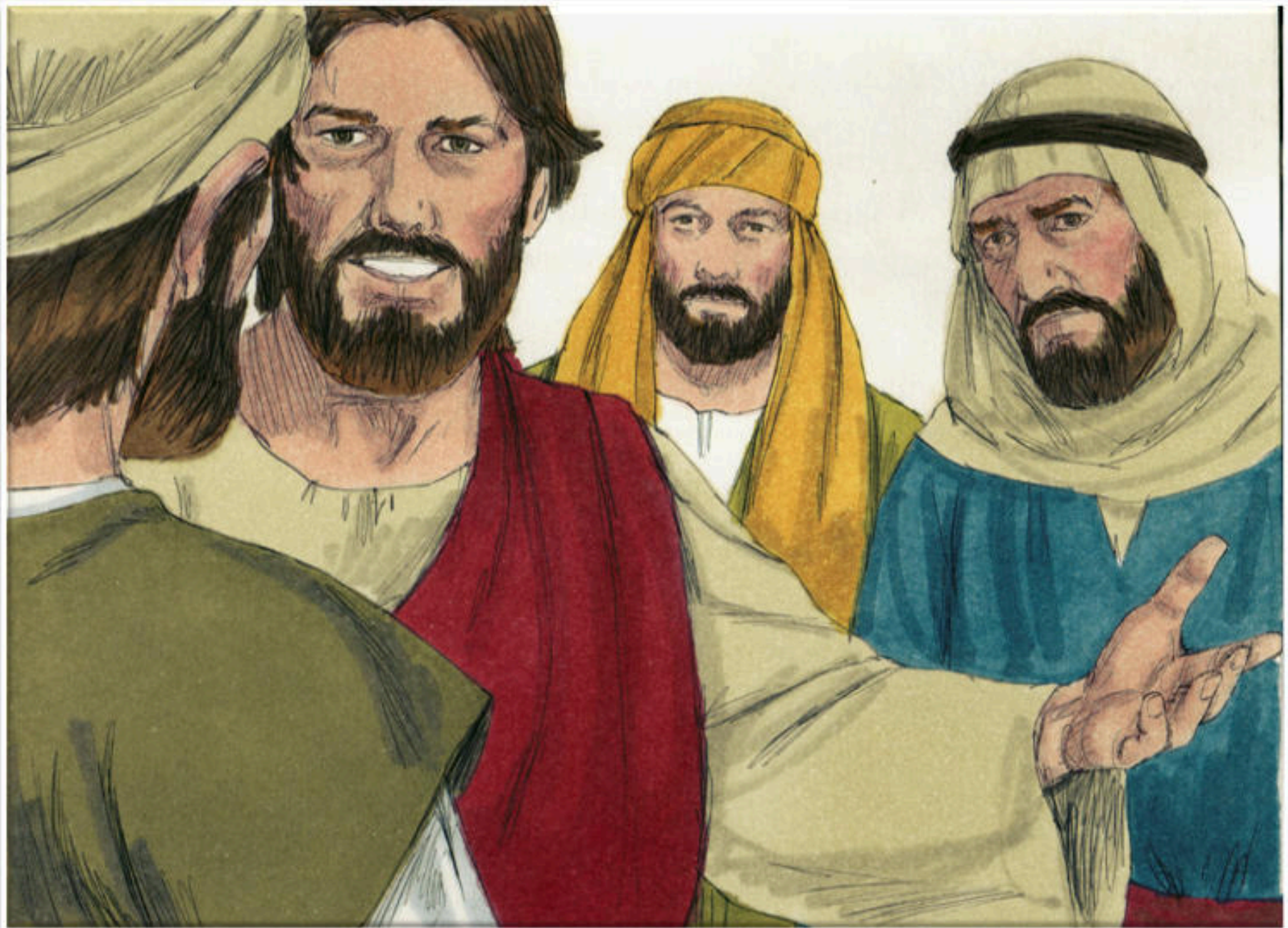






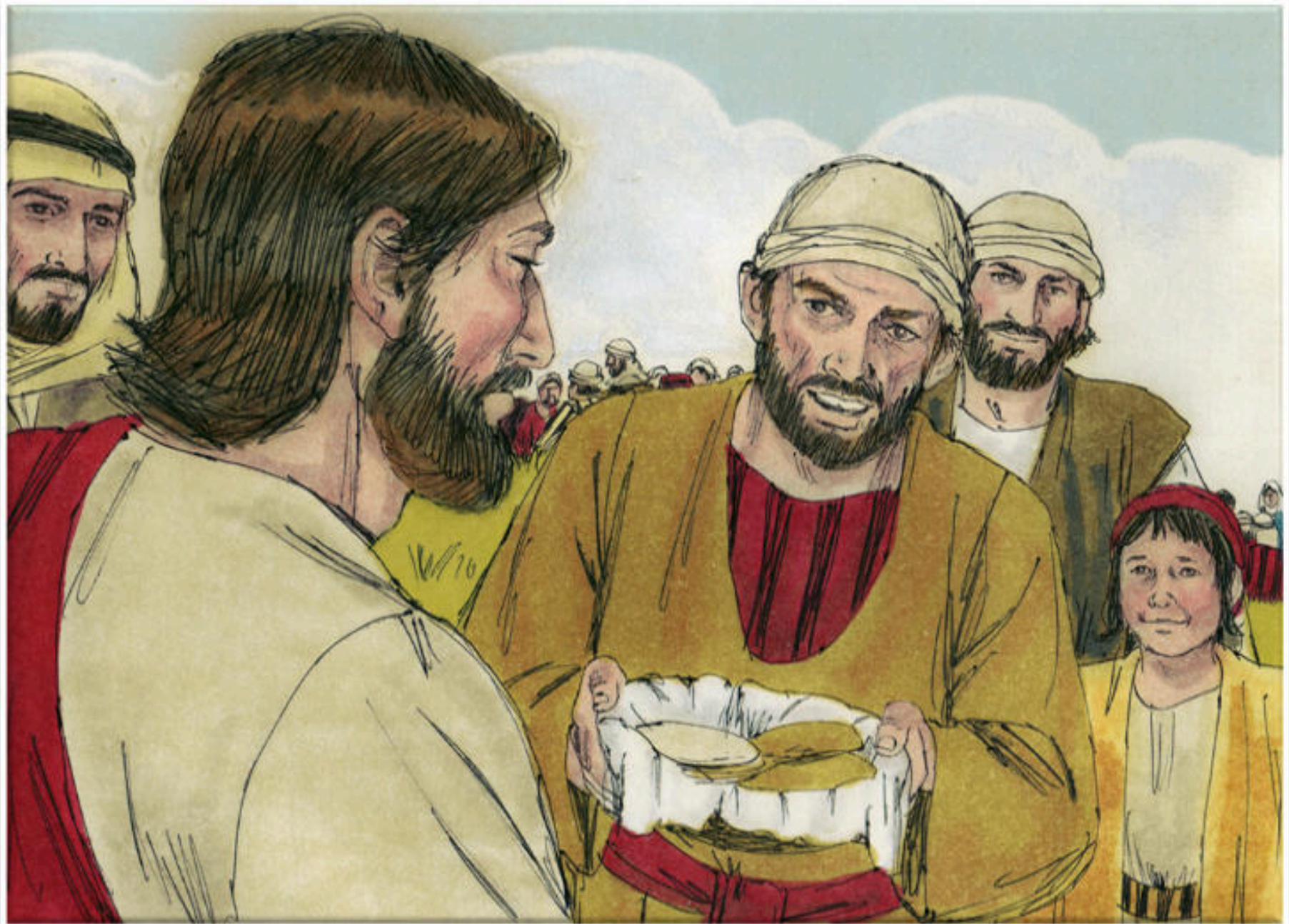
तैबै चेलौउं यीशु आरि बोलौ, कि इउं  
नौज़ीक रै गाँऊ दि छाड़। ज़ेतकौइ ऐ  
आपखि खाणौ आणै लै।





यीशुइ चेलौउं आरि बोलौ कि तुमेइ  
दैऔ इऊंखि खाणौ । चेलौउं यीशु  
आरि बोलौ कि इऊंखि तै दुइ शौ  
दिनार रि रोटियै बि कम पौडै ।





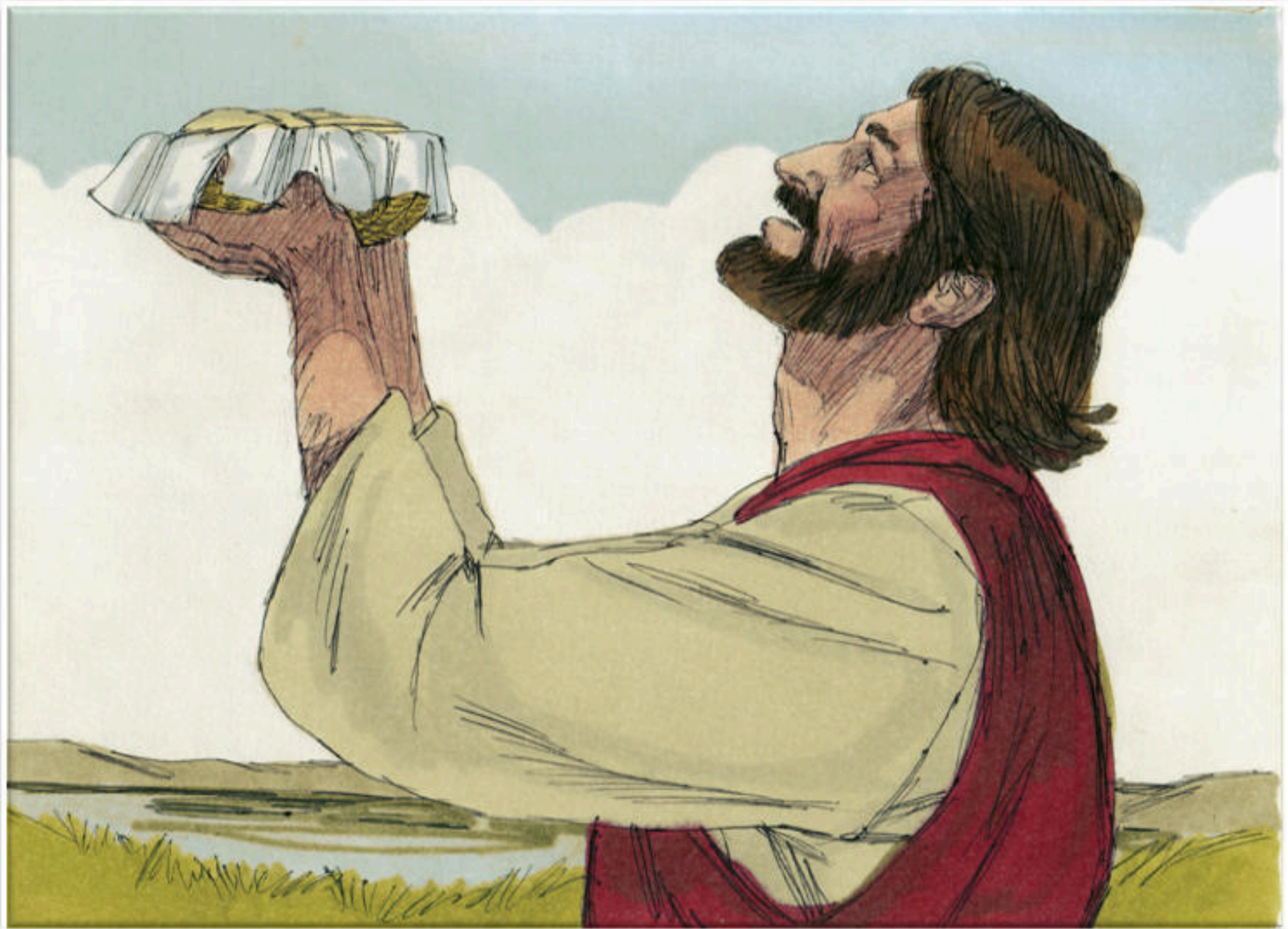
यीशुइ तिउंवारि बोलौ देखौ, कि  
तुम्कै केती रोटियै? तिउं पौत्तौ  
कौरियो बोलौ कि पाँच रोटि औज़ि  
दुइ माछी ।







ਯੀਸ਼ੁਫ਼ੁ ਤਿਉਂਵਾਰਿ ਬੋਲੈ ਕਿ ਸਾਰਿਉਂ  
ਦੈਨੀ ਬੋਝਾਯ। ਤੈਥੈ ਚੇਲੈਉਂ ਸਾਰੈ ਲੋਗ  
ਸ਼ੈ-ਸ਼ੈ ਔਝਿ ਪੈਚਾਸ-ਪੈਚਾਸ ਰਿ  
ਖੁਮਯਿਉਂ ਦਿ ਬੋਝਾਯੈ।



यीशुइ पाँच रोटी औज़ि दुइ माछी  
आपड़ै आथे दि नी। स्वर्ग खि  
देखियौ परमेश्वर रौ दौन्यवाद कियौ।  
तैबै यीशुइ रोटी रै टुकड़ै चोड़ियौ  
चेलौं कै देणै। औज़ि दुइ माछी रै बि  
टुकड़ै कौरियौ सारिंउं खि देणै।





पाँच रोटी औज़ि दुइ माछी कौइ पाँच  
औज़ार लोग खाणौ खाइयौ डौटी  
गोए। खाणौ खाइयौ बि रोटिउं रि  
बारा टोकरी बौचि। ज़िऊं रोटी खाइ  
तिउं माइं पाँच औज़ार तै मौर्द थै।



## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.